मुख्यमंत्री यादव ने अमित शाह से की सौजन्य भेंट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री शाह को प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, नए प्रयासों और उपलब्धियों से भी अवगत कराया। दोनों नेताओं के बीच राज्य की विकास योजनाओं और महत्वपूर्ण कार्यों की स्थिति को लेकर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश के विकास को गति देने के लिए केंद्रीय मंत्री से सहयोग और मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय मार्गदर्शन में प्रदेश विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है।

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद

राखी के उपहार में छात्राओं ने मांगा सांदीपनि विद्यालय, मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बालाघाट जिले के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और कुछ समय के लिए शिक्षक की भूमिका भी निभाई। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर विद्यार्थी उत्साहित नजर आए।

रक्षाबंधन के अवसर पर छात्राओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी और उपहार के रूप में अपने विद्यालय को सांदीपनि विद्यालय बनाने की मांग रखी।

मुख्यमंत्री ने उनकी इच्छा को स्वीकार करते हुए विद्यालय को सांदीपनि विद्यालय बनाने का आश्वासन दिया।

कक्षा 10वीं में रसायन विज्ञान की पढ़ाई के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से सवाल किया कि पानी में क्या डालने से आग लग सकती है। एक छात्रा ने सोडियम का सही उत्तर दिया, जिस पर मुख्यमंत्री ने उसकी सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में भी चर्चा की। कई विद्यार्थियों ने पीएससी की तैयारी कर अधिकारी बनने की इच्छा जताई।

एक छात्रा ने मुख्यमंत्री से सीएम राइज विद्यालयों का नाम सांदीपनि विद्यालय रखने का कारण पूछा। मुख्यमंत्री ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के गुरु महर्षि सांदीपनि से प्रेरणा लेकर यह नाम रखा गया है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के साथ फोटो भी खिंचवाई और उनके उत्साह व आत्मविश्वास की सराहना की। इस दौरान स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी और विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

मप्र के पूर्वी हिस्से में 4 दिन रहेगा बारिश का दौर

सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले चार दिन बारिश का सिलसिला बने रहने की संभावना है। आज शनिवार को रीवा, सीधी, कटनी, शहडोल, अनूपपुर, सिवनी और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में तेज बारिश हो सकती है। राजधानी भोपाल में रिमझिम बारिश के आसार हैं, जबकि इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग में तेज बारिश की संभावना कम है।

जबलपुर, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडौरी, पांढुर्णा, सतना, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, उमरिया, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में मौसम बदला रहेगा। इन जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार प्रदेश के ऊपर एक लो प्रेशर एरिया यानी निम्न दाब क्षेत्र और मानसून ट्रफ सक्रिय है। हालांकि, फिलहाल मध्य प्रदेश में इन सिस्टम का प्रभाव ज्यादा

नहीं है। यही वजह है कि प्रदेश के सभी जिलों में एक जैसी बारिश होने की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब तक 683.9 मिमी यानी 26.9 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। सामान्य तौर पर इस अवधि तक 750.9 मिमी यानी 29.5 इंच बारिश होनी चाहिए थी। इस तरह प्रदेश में सामान्य से 2.6 इंच कम पानी गिरा है। ओवरऑल बारिश 9 प्रतिशत कम है। पूर्वी हिस्से में 6 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में सामान्य से 12 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

प्रदेश के पूर्वी हिस्से के जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में बारिश 19 प्रतिशत तक कम है। बालाघाट, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सिवनी, टीकमगढ़ और डिंडौरी समेत जिलों में 1 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। पश्चिमी हिस्से में आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, दतिया, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, मुरैना, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, खंडवा, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा में औसत से 4 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कम पानी गिरा है। जबकि अनूपपुर, छतरपुर, निवाड़ी, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़ और शिवपुरी में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

दो वर्षों में विद्यार्थियों को 696 करोड़ की छात्रवृत्ति

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश शिक्षा पोर्टल के माध्यम से बीते दो वर्षों में करीब 1.25 करोड़ विद्यार्थियों के खातों में सीधे 696 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति ऑनलाइन भेजी गई। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के साथ आर्थिक संबल देकर विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

भुजरिया पर्व पर मुख्यमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को स्नेह, सौहार्द और सामाजिक समरसता के लोकपर्व भुजरिया की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध लोक परंपराओं को जीवंत बनाए रखता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

जेरोन में जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

जनसमस्याओं का समय-सीमा में करें निराकरण : नारायण सिंह कुशवाह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के तहत शनिवार को निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर तहसील के ग्राम जेरोन स्थित जिला पंचायत भवन में जनशिकायत निवारण एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह शामिल हुए।

मंत्री कुशवाह ने ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं तथा उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय-सीमा में समाधान होना चाहिए, तभी शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच सकेगा।

उन्होंने कहा कि जनसंवाद के माध्यम से सरकार सीधे आमजन तक पहुंच रही है। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर प्रभावी और

समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष कुसुम पस्तोर, उपाध्यक्ष वीरन रैकवार, जिला पंचायत सीईओ रोहन सक्सेना सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश में किसानों की आय में लगातार वृद्धि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में किसानों की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रदेश में किसान कई प्रमुख फसलों के उत्पादन में अग्रणी होने के बावजूद औसत मासिक आय के मामले में 22वें स्थान पर है। एक किसान परिवार की औसत मासिक आय 8,339 रुपये है, जबकि देश का औसत 10,218 रुपये है।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश में मक्का उत्पादन में पहला और गेहूं, सोयाबीन, चना व मूंग उत्पादन में दूसरा स्थान है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में उपज सरकारी खरीदी के दायरे में नहीं आ पाती और किसानों को मंडी भाव पर निर्भर रहना पड़ता है। वर्ष 2024-25 में सोयाबीन की 53.85 लाख टन उपज में से केवल 6.22 लाख टन की सरकारी खरीदी हुई। वहीं वर्ष 2025-26 में धान की 153.17 लाख टन पैदावार में से 51.75 लाख टन और गेहूं की 264.43 लाख टन उपज में से 77.74 लाख टन खरीदी गई।

चना और मूंग की भी बड़ी मात्रा बाजार पर निर्भर रही। चने

- एमएसपी पर कम खरीदी और छोटी होती जोत बनी प्रमुख वजह
- बड़ी मात्रा में उपज सरकारी खरीदी के दायरे में नहीं आ पाती

की 20.20 लाख टन पैदावार में से 2.96 लाख टन और मूंग की 18.18 लाख टन उपज में से 5.33 लाख टन की सरकारी खरीदी हुई।

किसानों की आय प्रभावित होने का एक कारण लगातार घटती औसत जोत भी है। वर्ष 1970-71 में औसत जोत 4 हेक्टेयर थी, जो अब घटकर 1.57 हेक्टेयर रह गई है। पारिवारिक बंटवारे के कारण खेत छोटे होने से किसानों की बचत और आय पर असर पड़ा है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में मैत्री हॉकी मैच, मंत्री सारंग ने की घोषणा

6 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए बनेगा हॉकी फीडर सेंटर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। राजधानी भोपाल के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में मैत्री हॉकी मैच आयोजित किए गए।

इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हॉकी फीडर सेंटर शुरू करने की घोषणा की। मंत्री सारंग ने कहा कि फीडर सेंटर के माध्यम से कम उम्र में बच्चों की खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें उचित प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्क्रीन टाइम कम कर उन्हें प्रतिदिन एक घंटा खेल मैदान में बिताना चाहिए, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। राष्ट्रीय खेल दिवस के कार्यक्रमों के तहत टीटी नगर स्टेडियम में स्पोर्ट्स साइंस सेमिनार, कराते, बॉलीबाल, वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, कुश्ती सहित पैरेंट्स फन गेम्स आयोजित किए गए। सेमिनार में खिलाड़ियों को पोषण, चोट प्रबंधन सहित अन्य विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया।

भोपाल में हुए हॉकी मैत्री मुकाबले में एमपी अकादमी ने भोपाल वांडर्स को 3-0 से हराया। वहीं महिला वर्ग में रायसेन क्वीन और भोपाल टाइग्रेस के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें भोपाल टाइग्रेस ने शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की। मंत्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान में 11 खेल अकादमियां संचालित हैं, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब खेल प्रतिभाओं की तलाश गांव, ब्लॉक और स्थानीय स्तर तक की जाएगी। उन्होंने कहा कि फीडर सेंटर के जरिए छोटे बच्चों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनकी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इन केंद्रों से तैयार खिलाड़ियों को आगे चलकर खेल अकादमियों से जोड़ा जाएगा, जिससे प्रदेश में नई खेल प्रतिभाओं की मजबूत श्रृंखला तैयार होगी।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया नमन

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हॉकी के जादूगर और महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रेरक मिसाल है। उनका जन्मदिन देशभर में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के संकल्प को मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर अवसर, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

आस्था *विगत वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी अधिक संख्या पहुंचे श्रद्धालु...*

महाकाल मंदिर को सावन में शीघ्र दर्शन से हुई 14.22 करोड़ की आय

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश में इस वर्ष श्रावण मास के दौरान उज्जैन जिला स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। एक माह के दौरान भगवान महाकाल के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहली बार डेढ़ करोड़ के पार दर्ज किया गया है। मंदिर समिति को इस दौरान शीघ्र दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसादी की बिक्री से करोड़ों रुपये की रिकॉर्ड आय प्राप्त हुई है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, श्रावण मास में कुल 1 करोड़ 53 लाख 75 हजार श्रद्धालु महाकाल की शरण में पहुंचे, जो वर्ष 2025 में दर्ज 72 लाख श्रद्धालुओं की तुलना में दोगुनी से भी अधिक संख्या है। मुख्य मंदिर में 1 करोड़ 10 लाख 90 हजार 725 श्रद्धालुओं ने सामान्य दर्शन किए, जबकि 43 लाख 75 हजार श्रद्धालु

चार प्रमुख सवारियों और नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान 5 लाख से अधिक कावड़ यात्रियों का भी आगमन हुआ, जिनमें से 2 लाख 71 हजार से अधिक कावड़ियों के लिए 5 स्थानों पर भोजन की व्यवस्था की गई और 10 हजार श्रद्धालुओं को निःशुल्क चरण पादुकाएं वितरित की गईं। इसके अलावा 3 लाख 41 हजार से अधिक भक्तों ने अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी ग्रहण की।

मंदिर की आय में भी बड़ा इजाफा

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने और मंदिर की आय में भी बड़ा इजाफा देखा गया है। सावन महीने में 5 लाख 66 हजार 350 भक्तों ने शीघ्र दर्शन व्यवस्था का लाभ लिया, जिससे मंदिर प्रबंध समिति को 14 करोड़ 22 लाख 37 हजार 500 रुपये की आय हुई। वहीं 2 लाख 18 हजार 662 क्विंटल लड्डू प्रसादी की बिक्री से मंदिर को 10 करोड़ 32 लाख 73 हजार रुपये प्राप्त हुए।

इस बार तीन प्रमुख नई पहल

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार तीन प्रमुख नई पहल भी कीं। अन्नक्षेत्र में हर मंगलवार और शुक्रवार को 'रस संगमम्' नाम से दक्षिण भारतीय व्यंजन की शुरुआत की गई, जिसमें इडली, वड़ा, सांभर और चावल परोसे गए और इसका लाभ पहले ही दिन 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने उठाया। इसके साथ ही नागपंचमी पर पट खुलने के तीन दिन पहले 300 रुपये की दर से ऑनलाइन शीघ्र दर्शन बुकिंग शुरू की गई, जिससे पट खुलने से पूर्व ही मंदिर समिति को 39 लाख रुपये की आय हुई। वहीं, कावड़ यात्रियों के सुगम दर्शन के लिए मंगलवार से शुक्रवार के बीच गेट नंबर 1 और हरसिद्धि चौराहा से अलग प्रवेश व्यवस्था बनाई गई और सभामंडपम व कार्तिक मंडपम में पात्र रखकर जल अर्पण की सुविधा दी गई।

इंदौर के पहले अति उच्च दाब सबस्टेशन ने पूरे किए 60 वर्ष

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः इंदौर के 132 केवी पोलोग्राउंड (चंबल) अति उच्च दाब सबस्टेशन ने 60 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 30 अगस्त 1966 को ऊर्जीकृत हुआ यह सबस्टेशन इंदौर और मालवा क्षेत्र के औद्योगिक तथा शहरी विकास का महत्वपूर्ण साक्षी रहा है। आज भी यह शहर की विद्युत पारेषण व्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह सबस्टेशन इंदौर की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसने औद्योगिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को आवश्यक ऊर्जा आधार उपलब्ध कराया। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी का यह केंद्र मालवा का दूसरा और प्रदेश का पांचवां सबसे पुराना अति उच्च दाब सबस्टेशन है। वर्ष 1966 में 10 एमवीए क्षमता के साथ शुरू हुए इस सबस्टेशन की वर्तमान क्षमता बढ़कर 176 एमवीए हो चुकी है। शुरुआत में दो 33 केवी फीडरों से बिजली आपूर्ति की जाती थी, जबकि अब यहां 16 फीडर कार्यरत हैं। आधुनिक निगरानी, सुरक्षा प्रणालियों और भूमिगत केबल नेटवर्क के जरिए इसे समय के अनुरूप उन्नत किया गया है। इस सबस्टेशन का पहला 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर जापान की हिताची कंपनी से समुद्री मार्ग द्वारा तत्कालीन बंबई लाया गया था। करीब 25 टन वजनी ट्रांसफार्मर को बाद में सड़क मार्ग से इंदौर पहुंचाया गया।

एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने कहा कि अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों के समर्पण से यह ऐतिहासिक सबस्टेशन छह दशकों से विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com